

No. of Printed Pages : 4

**MTT-019**

**M. A. (TRANSLATION STUDIES)  
(MATS)**

**Term-End Examination**

**December, 2022**

**MTT-019 : POLITICS OF TRANSLATION**

*Time : 2 Hours*

*Maximum Marks : 50*

---

**Note :** (i) *Attempt five questions in all.*

(ii) *Question No. 9 is compulsory.*

(iii) *All questions carry equal marks.*

(iv) *Answer each question (1-8) in about 500 words and Question No. 9 as per instructions thereon.*

---

---

1. What is meant by 'Appropriation' ? Discuss about the identity discourse-oriented appropriation of Bhakti Literature.
2. Write an essay on 'Modernism, Modernist Translation and World Literature'.
3. Elaborate the role of Indian interpreters in the formation of colonial archives.

**P. T. O.**

4. Write a detailed note on the 'Outline of Indian National Movement.'
5. Critically evaluate the translations of 'Ramayana' and 'Mahabharata' in Indian languages.
6. Discuss with suitable examples the 'Politics of Resistance and Translation'.
7. What is meant by Subaltern Study ? Mention the main features of Subaltern Study.
8. Elucidate the role of Indian and international publishers in publication of translated texts in India.
9. Write short notes on any *two* of the following in about **250** words each :
  - (a) Development of Bhakti Movement
  - (b) Christian Missionaries and modern education in India
  - (c) English and Indian Literature
  - (d) Translation of modern European political ideas in colonial period

**MTT-019**

एम. ए. ( अनुवाद अध्ययन ) ( एम. ए. टी. एस. )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. टी. टी.-019 : अनुवाद की राजनीति

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : (i) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) प्रश्न संख्या 9 अनिवार्य है।

(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iv) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (1-8) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रश्न सं. 9 का उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

1. 'अनुकूलन' से क्या अभिप्राय है ? भक्ति साहित्य के अस्मिता विमर्शमूलक अनुकूलन की चर्चा कीजिए।
2. 'आधुनिकतावाद, आधुनिकतावादी अनुवाद और विश्व साहित्य' पर एक निबंध लिखिए।

3. औपनिवेशिक अभिलेखागार के निर्माण में भारतीय व्याख्याकारों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
4. 'भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप' पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए।
5. भारतीय भाषाओं में 'रामायण' और 'महाभारत' के अनुवाद का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
6. 'अनुवाद और प्रतिरोध की राजनीति' इस कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
7. उपाश्रित अध्ययन से क्या अभिप्राय है ? उपाश्रित अध्ययन के मुख्य लक्षणों का उल्लेख कीजिए।
8. भारत में अनूदित रचनाओं के प्रकाशन के संदर्भ में भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
  - (क) भक्ति आंदोलन का विकास
  - (ख) ईसाई मिशनरी और भारत में आधुनिक शिक्षा
  - (ग) अंग्रेजी और भारतीय साहित्य
  - (घ) उपनिवेशकाल में आधुनिक यूरोपीय राजनीतिक विचारों का अनुवाद